



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 9]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 13, 1992/पौष 23, 1913

No. 9]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 13, 1992/PAUSA 23, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(प्राथमिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नयी दिल्ली, 13 जनवरी, 1992

सं. एफ. 4(5) डब्ल्यू.एण्ड.एस/91:—10.75 प्रतिशत ऋण, 1996 (तीसरा निर्गम), और 12.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (तीसरा निर्गम) के लिये 1500 करोड़ रुपये या यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के बावन्ते 20 जनवरी 1992 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 20 जनवरी 1992 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले दिन कार्य बैंकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित आवाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 1500 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिदाताओं को धातुपातक आधार पर प्रांशिक आबंटन किया जायेगा। यदि प्रांशिक आबंटन किया जाता है तो प्रांशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा

दी जायेगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जायेगा।

3. र. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर 1996 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.75 प्रतिशत ऋण, 1996 (तीसरा निर्गम)

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 21 अक्टूबर 1996 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।

(2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक र. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य र. 1,000.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 20 जनवरी 1992 से वार्षिक 10.75 प्रतिशत होगी। 20 जनवरी 1992 से 20 अप्रैल 1992 (सहित) की अवधि के लिये ब्याज 21 अप्रैल 1992 को अदा किया जायेगा। और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 21 अक्टूबर और 21 अप्रैल को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्तूबर 2011 को सममूल्य पर प्रतिवेम 12.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (तीसरा निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख : ऋण 21 अक्तूबर 2011 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।
- (2) निर्गम मूल्य : प्रत्येक रु. 1,000.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज : इस ऋण की ब्याज दर 20 जनवरी 1992 से वार्षिक 12.00 प्रतिशत होगी। 20 जनवरी 1992 से 20 अप्रैल 1992 (सहित) की अवधि के लिये ब्याज 21 अप्रैल 1992 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 21 अक्तूबर और 21 अप्रैल को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

5. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिये पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णकृत किया जायेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएँ

6. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे।

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखाएँ।

7. ब्याज अदा करने का स्थान—इस ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज अदा किया जायेगा।

8. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर, ) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-

धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिनके आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनमें एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतर दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत में निवासी कोई व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक न हो, ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा करके ब्याज की राशि बिना कर-कटौती के प्राप्त कर सकता है।

9. ऋणों पर ब्याज को आयकर अधिनियम, की धारा 80D के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य को संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट शर्तों पर संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिस्मृतियाँ केंद्र सरकार प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेगी।

12. ऋणों के लिए आवेदनपत्र-ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु. 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का पता उपलब्ध हो जहाँ आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संतुष्ट बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंक को उनके द्वारा अपने प्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा दलालों का उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मध्यस्थता ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (साकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक-वाणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिधानों के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

श्रीमती जामकी कठपालिया,

अपर सचिव (बजट)

बलाल की मुहर और पता

## आवेदन का फार्म

मैं/हम\* \_\_\_\_\_ इसके साथ  
(पूरा/पूरे नाम)

ह. \_\_\_\_\_ (\_\_\_\_\_ रुपये) के लिए

नकदी\* प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें\* स्टाफ प्रमाण-पत्र\* मेरे/हमारे\* एस. जी. एल. खाने में जमा के रूप में रु. \_\_\_\_\_ के सांकेतिक मूल्य की 10.00 प्रतिशत ऋण, 1991/7.75 प्रतिशत ऋण, 1991/5.50 प्रतिशत ऋण, 1991/6.75 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियाँ में रु. \_\_\_\_\_ के सांकेतिक मूल्य की 10.75 प्रतिशत ऋण, 1996\*/(तीसरा निर्गम\*)/12.00 प्रतिशत ऋण, 2011\*/(तीसरा निर्गम\*) की प्रतिभूतियाँ जारी की जाएँ।

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज \_\_\_\_\_ में भुदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।  
प्रविष्टियाँ आदाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

|   | अक्षर | दिनांक | हस्ताक्षर _____       |
|---|-------|--------|-----------------------|
| आवेदन पत्र सं.                                |       |        | पूरा (पूरे) नाम _____ |
| "दलासी नहीं" मुहर                             |       |        |                       |
| नकदी प्राप्त होने की तारीख                    |       |        | पता _____             |
| चेक वसूल होने की तारीख                        |       |        |                       |
| विशेष चालू खाने में जमा करने की तारीख         |       |        |                       |
| जांच की गयी                                   |       |        | दिनांक : जनवरी 1992   |
| नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया |       |        |                       |
| दलासी रजिस्टर में दर्ज किया गया               |       |        |                       |
| मांग पत्र सं.                                 |       |        |                       |
| प्रतिभूति सं.                                 |       |        |                       |
| कार्ड सं.                                     |       |        |                       |
| वाउचर पारित करने की तारीख                     |       |        |                       |

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणियाँ : (1) प्रत्येक ऋण और अयोक्षित नये ऋण के अभिदान के प्रत्येक फार्म के लिए अलग अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों, साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवस्थाय और पते दिये जाएँ।

- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक श्रृण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाए।
- (i) निगम पंजीकरण का मूल्य प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्राक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
  - (ii) कंपनी / निकाय के बहिर्नियमों और अंतर्नियमों या नियमों और विनियमों/उप नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
  - (iii) कंपनी निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत सन्निहित नमून हस्ताक्षर/ हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) आवेदकों का उन्हें जारी किये जाने वाले स्टैंड प्रमाणपत्र पत्रों पर छायाही ब्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश फॉर्म (लोक श्रृण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 13th January, 1992

No. F. 4(5)W&M|91:—Subscription for the issues of 10.75 per cent. Loan, 1996 (Third Issue) and 12.00 per cent. Loan, 2011 (Third Issue) for an aggregate amount of Rs. 1500 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash on the 20th January 1992 upto the close of banking hours. In the event of 20th January 1992 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1500 crores, partial allotment will be made to the subscribers on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.75 per cent. Loan, 1996 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st October 1996.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st October 1996.

(ii) Issue price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.75 per cent. per annum from 20th January 1992. Interest for the period from 20th January 1992 to 20th April 1992 (inclusive) will be paid on 21st April 1992 and thereafter interest will be paid half-yearly on 21st October and 21st April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 12.00 per cent. Loan, 2011 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st October 2011.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st October 2011.

(ii) Issue price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 12.00 per cent. per annum from 20th January 1992. Interest for the period from 20th January 1992 to 20th April 1992 (inclusive) will be paid on 21st April 1992 and thereafter interest will be paid half-yearly on 21st October and 21st April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. The gross amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

## SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram; and

(b) Main branches of the State Bank of India at DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

8. Refund of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Act) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on an application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the Loans will be eligible for deduction under Section 80L of the Income-tax Act.

10. The value of the investment in the loans now issued will be eligible for exemption under Section 5 of the Wealth-tax Act subject to the conditions specified therein.

11. THE SECURITIES WILL BE ISSUED IN THE FORM OF STOCK ONLY.

12. APPLICATIONS FOR THE LOANS—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1,000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of Cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans ten-

dered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamps. Banks Commercial and Co-operative banks will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President,  
SMT. JANAKI KATHPALIA,  
Addl. Secy. (Budget)

BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

### FORM OF APPLICATION

I/We\* .....  
(Full Name(s) in Block Letters)

.....herewith

tender \*Cash Rs.....(Rupees.....)/  
Cheque for

and request that Securities of 10.75 per cent. Loan, 1996 (Third Issue)\*/12.00 per cent. Loan, 2011 (Third Issue)\* of the nominal value of Rs.....may be issued to me/us\* in the form of\* Stock Certificate/  
Credit to my/our\* S.G.L. Account.

2. I/We\* desire that interest be paid at.....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Officer

|   | Initials | Date | Signature(s)<br>Name(s) in full<br>(Block letters) |
|---|----------|------|--|
| Application No. ....                        |          |      |  |
| N.B. Stamp .....                            |          |      |  |
| Cash received on .....                      |          |      | Address .....                                      |
| Cheque realised on .....                    |          |      |  |
| Credited to Special Current Account on..... |          |      |  |
| Examined .....                              |          |      |  |
| Cash Applications Register posted .....     |          |      |  |
| Brokerage Register posted .....             |          |      |  |
| Indent No.....                              |          |      |  |
| Scrip No. ....                              |          |      |  |
| Card No. ....                               |          |      |  |
| Voucher passed on .....                     |          |      |  |

Dated the .....  
of January 1992.

\*Delete what is not required.

### NOTES :—

- (1) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons, The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the Company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.

